Total Pages : 8

2642/P

II Year Arts Examination, 2017

SANSKRIT

Paper–II

(प्राचीन भारतीय संस्कृति, धर्मशास्त्र, व्याकरण, अनुवाद एवं निबन्ध)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. **अधोलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

इकाई-I

(i) पुरुषार्थ कितने हैं? नामोल्लेख कीजिए।

(ii) आश्रम चतुष्टय का नामोल्लेख कीजिए।

इकाई-II

(iii) नास्तिक कौन है?

(iv) वेद प्रतिपादित अग्नि होत्र के तीन काल क्या हैं?

इकाई-III

(v) 'हरिम्+वन्दे' में सूत्रोल्लेखपूर्वक सन्धि कीजिए।

(vi) 'तन्' धातु के लोट् लकार प्रथम पुरुष के तीनों वचनों को लिखिए।

इकाई-IV

संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

(vii) दो व्यक्तियों ने पुस्तक पढी।

(viii) मैं भोजन करके बाजार गया।

इकाई-V

(ix) 'विद्या का महत्त्व' विषय पर दो वाक्य संस्कृत में लिखिए।

(x) 'भास' पर दो वाक्य संस्कृत में लिखिए।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. 'भारतीय संस्कृति धर्म प्रधान है' स्पष्ट कीजिए।

3. रामायण कालीन संस्कृति पर प्रकाश डालिए।

इकाई-II

4. निम्नलिखित श्लोकों की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :

(क) तस्मिन् देशे य आचार: पारंपर्यक्रमागत:।

वर्णानां सान्तरालानां स सदाचार उच्यते।।

(ख) ब्रह्मारम्भेऽवसानेच पादौ ग्राह्यौ गुरो: सदा।

संहत्य हस्तावध्येयं स हि ब्रह्माञ्जलि: स्मृत:।।

5. अधोलिखित श्लोकों की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :

(क) श्रुतिद्वैधं तु यत्र स्यात्तत्र धर्मावुभौ स्मृतौ।

उभावपि हि तौ धर्मौ सम्यगुक्तौ मनीषिभिः।।

(ख) अनारोग्यमनायुष्यमस्वर्ग्यं चातिभोजनम्।

अपुण्यं लोक विद्विष्टं तस्मात् तत्परिवर्जयेत्।।

इकाई-III

6. निम्न सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :

(क) स्तोः श्चुनाश्चुः

(ख) हशि च

7. निम्न सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए :

(क) वा पदान्तस्य

(ख) रोरि

इकाई-IV

8. निम्न वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

(i) काम की बात सुनो।

(ii) मेरी बात झूंठी नहीं है।

(iii) वह गुरु से विद्या पढ़ता है।

(iv) बच्चे खेल के मैदान में खेलते हैं।

(v) वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।

(vi) सदाचार का पालन करो।

(vii) असत्य भाषण नहीं करना चाहिए।

(viii) बालक महल से गिर पडा।

(ix) मैं मृत्यु से नहीं डरता।

(x) चौर सिपाही से छिपता है।

9. निम्न वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

(i) हिमालय उत्तर दिशा में है।

(ii) किसी का उपहास मत करो।

(iii) गुरु की आज्ञा मानो।

(iv) अपमान सहन क्यों किया।

(v) क्रोध पाप का मूल है।

(vi) श्रेष्ठ व्यक्ति आपत्ति में धैर्य रखता है।

(vii) वह अध्ययन में लगा हुआ है।

(viii) राम कल महाविद्यालय में जायेगा।

(ix) वह अपने कर्त्तव्य को भूल गया।

(x) रात बीत गई।

इकाई-V

10. निम्न में से एक विषय पर संस्कृत भाषा में 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए :

(क) कालिदासो विशिष्यते

(ख) संस्कृतिः संस्कृताश्रिता

11. निम्न में से किसी एक विषय पर संस्कृत में 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए:

(क) संस्कृत भाषाया महत्त्वम्।

(ख) सत्सङ्गतिः कथय किं न करोति पुंसाम्।

खण्ड-स

12. षोडश संस्कारों का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

13. अभिवादन विधि का विवेचन कर उसके फल का निरूपण कीजिए।

14. (क) निम्न शब्दों के सामने अङ्कित विभक्तियों के रूप लिखिए :

(i) भूभृत् - चतुर्थी विभक्ति

(ii) नृ - षष्ठी विभक्ति

(iii) पुंस् - द्वितीया विभक्ति

(iv) अप् - पंचमी विभक्ति

(v) पयस् - सप्तमी विभक्ति

(ख) निम्न शब्दों के सामने अङ्कित निर्देशानुसार लिङ्ग, वचन और विभक्ति बताइए :

(i) पत्युः

(ii) सम्राट्

(iii) आशिषि

(iv) धनुषः

(v) पक्षिणाम्

15. निम्न धातुओं के सामने अङ्कित निर्देशानुसार रूप लिखिए :

(i) ब्रू अथवा श्रु - लोट् लकार प्रथम पुरुष

(ii) शास् अथवा स्था - लङ् लकार मध्यम पुरुष

(iii) बन्ध् अथवा रून्ध् -विधिलिङ्ग लकार उत्तम पुरुष

(iv) तन् अथवा जन् - लृट् लकार प्रथम पुरुष

(v) भी अथवा क्री - लट् लकार मध्यम पुरुष